HW
24/06/21

Date
Page 42

हंस और कछुआ कहानी अपने शब्दों में लिखो

मगध देश में फुल्लोत्पल नामक तालाब में दो हंस रहते थे। उनका नाम संकट और विकट था और उनका एक कछुआ दोस्त भी था। उस तालाब में बहुत मछलियां भी रहती थी। एक दिन दो मछुआरे की नज़र उस तालाब पे पड़ी, उन्होंने तय किया की वे दुसरे दिन आके मछलियां और कछुआ को पकड़ लेंगे। हंसों ने उनकी बात सुनली। कछुआ यह जानकर बहुत परेशान हो गया। फिर हंसो ने एक योजना बताई की, वे एक लकड़ी को अपने मुँह से पकड़ेंगे और कछुआ उस के बीच को मुँह से पकड़ेगा, और वे उड़ कर दुसरे तालाब में जाएंगे। हंसो ने कछुआ को शर्त में अपना मुँह बंद करने को कहा।

जब वे उड़ कर पास वाले गाँव के ऊपर पहुँचे तो वहाँ कुछ बच्चे पतंग उड़ा रहते थे और वे ऊपर कर दृश्य देखकर चकित हो गए। और चिल्लाने लगे कुछ तो कछुए को पकड़ने कि बात करने लगे। यह सुन कर कछुआ गुस्से से बोलने के लिए मुँह खोला ही था की वह गिर के मर गया।

— * —